बदलाव की बयार
“कोरगो”

लोहरदगा जिला के किस्को प्रखंड के दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में स्थित “कोरगो” गाँव, जिसकी आबादी लगभग ६०० है|

यहाँ मुख्यतः नगेसिया समुदाय के लोग रहते है | पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण आवागमन का कोई साधन नहीं है | यहाँ के लोगों के जीविकोपार्जन का मुख्य साधन जंगल से लकड़ियाँ काटकर और पत्तों को बाज़ार में बेचना है| यहाँ के लोग कृषि और पशुपालन भी करते है |

नगेसिया समुदाय अपनी पुरानी परम्पराओं और मान्यताओं के कारण गर्भवती का प्रसव घर पर ही अलग कमरे में कराते थे, घर में प्रसव के दौरान बहुत बार प्रसूता का अत्यधिक रक्तश्राव या फुल गिरने में देरी की वजह से तथा प्रसव में जटिलताओं के कारण बच्चे की मृत्यु भी हो जाती थी| प्रसव के बाद प्रसूता को स्वयं अपनी साफ सफाई के लिए अकेले घर से दूर नदी पर लगातार ६ दिन तक जाना पड़ता था| ६ दिन के बाद बच्चे के दादा या बड़े बुजुर्ग बच्चे के नाभिनाल को जमींन में दफ़न कर अपना मुंडन करवा कर पहले बच्चे को गोद में लेते थे उसके बाद ही घर के अन्य लोग बच्चे या माँ को छूते थे| पहले स्वास्थ्य जाँच या टीकाकरण की खबर पर गाँव के लोग बच्चों को लेकर जंगल भाग जाते थे| जिससे A.N.M. दीदी मायूस होकर लौट जाती थी|

सहिया दीदी के दृढनिश्चय और लगातार प्रयास तथा पी.एल.ए.बैठकों के द्वारा स्वास्थ्य के प्रति समझ बनने, जैसे गर्भावस्था में खून की कमी , प्रसव के समय अत्यधिक रक्तश्राव, फुल गिरने में देरी की समस्याओं के कारण तथा बच्चों के नियमित टीकाकरण के महत्व जानने के साथ आंगनबाड़ी द्वारा उचित देखभाल और संस्थागत प्रसव द्वारा इन समस्याओं से बचा जा सकता है जानने के बाद अब गाँव के लोग A.N.M. और सहिया दीदी का इंतजार करते है और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति सजग है|

अब बहुतायत महिलाएं अपना प्रसव अस्पताल में कराती है और बच्चो का नियमित टीकाकरण कराती है|

सहिया दीदी गृह भ्रमण के दौरान प्रसूता और बच्चे की पूर्ण जाँच करती है और बच्चों के वजन लेने के लिए अपने पैसे से ख़रीदे गए ट्रे वाला वजन मशीन प्रयोग करती है|

गाँव के लोगों से सहिया दीदी स्वास्थ्य विषयों पर परस्पर चर्चा करती है| VHND के दिन A.N.M. और सहिया दीदी को देखकर महिलाएं बच्चों के साथ पीछे पीछे आंगनबाड़ी तक आ जाती है| गाँव के लोग ख़ुशी ख़ुशी VHND में भाग लेकर नियमित टीकाकरण एवं स्वास्थ्य परामर्श लेते है| सहिया दीदी नियमित गृह भ्रमण एवं समुदाय का सहयोग करती है| समुदाय स्वस्थ्य सुविधाओं से और सहिया समुदाय के सहयोग से खुश है| और इस तरह दोनों के सहयोग से कोरगो में बदलाव की बयार चल पड़ी है |